राजस्थान - स्थानान्तरित कृषि - वालरा
आंध्रप्रदेश - पोडू
उडीसा - पोमाला
उत्तरप्रदेश - झूमिंग

★ भारतीय कृषि ★

* भूमि की उपलब्धता के आधार पर कृषि को दो भागों में बांटा जाता है →

भूमि उपलब्धता

1. विस्तृत कृषि
   - जनसंख्या कम
   - भूमि अधिक

   स्टेपी – यूरेशिया
   प्रेयरी – कनाडा + U.S.A
   पम्पाज – अर्जेण्टिना
   वेल्ड्स – द. अफ्रीका
   डाउन्स – आस्ट्रेलिया
   (घास के मैदान)

2. गहन कृषि
   - जनसंख्या अधिक
   - भूमि कम

   भारत
   चीन
   पाक
   बांग्लादेश

* जल की उपलब्धता पर भी कृषि को 3 भागों में बांटा जाता है →

1. आर्द्र कृषि

वर्षा – 200 cm → प. बंगाल, असम, बिहार

फसलें → चावल, जूट

2. सिंचित कृषि

वर्षा – 50-100 cm → पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश

फसलें → गेहूँ, जौ, चना, सरसों

3. शुष्क कृषि

वर्षा – 50 cm. से कम ⟶ राजस्थान, गुजरात

फसले – ज्वार + बाजरा

★ स्थानान्तरण कृषि ★

V.Imp

* स्थानान्तरण कृषि आदिवासी लोगो के द्वारा जंगलो में की जाती है। इस प्रकार की कृषि में पेड़ो को काटा व जलाया जाता है। इसीलिए इसे "कर्तन व दहन कृषि" के नाम से भी जाना जाता है।

* इस प्रकार की कृषि में 5-7 वर्षो एक ही प्रकार की फसल की जाती है जिससे वह स्थान बंजर हो जाता है और यही प्रक्रिया दूसरे स्थान पर दोहराई जाती है। इसलिए इसे "स्थानान्तरण कृषि" के नाम से जाना जाता है।

* भारत के अलग-अलग राज्यो में इसे अलग-अलग नामो से जाना जाता है →

राज्य		नाम
राजस्थान	→	वालरा
मध्यप्रदेश	→	बीवर / डहियार
छत्तीसगढ	→	दीपा / डीपा
उडीसा	→	कोमांग
आंध्रप्रदेश	→	पोडू

उत्तरी-पूर्वी भारत — झूमिंग
केरल → कुमारी
पश्चिमी घाट → पोनम

*** विश्व मे स्थानान्तरण कृषि के नाम →**

देश	नाम
फिलीपिन्स →	कैंगिन
वियतनाम →	रे
थाईलैंड →	तमराई / टमराई
म्यामांर →	तुंग्या / तुग्या
श्री लंका →	चेना / चेन्ना
मलेशिया / इण्डोनेशिया →	लदांग
जायरे / कांगो →	मसोले
प. अफ्रीका →	लोगन
मेक्सिको →	मिल्पा
वेनेजुएला →	कोनुको
ब्राजील →	रोका

४. मिश्रित कृषि →

* कृषि के साथ - साथ पशुपालन करना "मिश्रित कृषि" कहलाता है।

* इस प्रकार की कृषि व्यापारिक रूप से यूरोप कनाडा, संयुक्त राज्य अमेरिका, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैण्ड देशो में की जाती है।

5 ट्रक फार्मिंग :→

* इस प्रकार की कृषि में महानगरों के चारो ओर फल - फूल और सब्जियों की कृषि की जाती है और इन्हे ट्रकों के माध्यम महानगरों के आंतरिक भाग तक पहुंचाया जाता है। इसलिए इसे " ट्रक फार्मिंग " के नाम से जाना जाता है।

* " ट्रक फार्मिंग " शब्द का सबसे पहले प्रयोग संयुक्त राज्य अमेरिका में किया गया था।

★ हरित कृषि ★ क्रान्ति

* खाद्यान्न उत्पादन में अत्याधिक वृद्धि को ही "हरित क्रांति" के नाम से जाना जाता है।

* शब्द का सबसे पहले प्रयोग → विलियम गॉड
* हरित क्रांति की शुरूआत सबसे पहले → नारमॉन बोरलॉग (मैक्सिको से)
विश्व में हरित क्रांति का जनक →

* भारत में इसकी शुरूआत → 1966-67 – एम. एस. स्वामीनाथन
हरित क्रांति का जनक →

★ श्वेत क्रांति ★

- दूध उत्पादन में अत्याधिक वृद्धि को ही "श्वेत क्रांति" के नाम से जाना जाता है।
- श्वेत क्रांति की शुरुआत 1970 - वर्गीज कुरियन द्वारा की गई थी। इसलिए "वर्गीज कुरियन" को श्वेत क्रांति का जनक कहा जाता है।

★
* श्वेत क्रांति की भारत में शुरुआत गुजरात के आणंद शहर से मानी जाती है। इसलिए वर्तमान में आणंद शहर को "Milk City" के नाम से जाना जाता है।

* विभिन्न क्रांतियाँ *

* नीली क्रांति → मत्स्य/मछली उत्पादन में वृद्धि से संबंधित
* गुलाबी क्रांति → झींगा मछली के उत्पादन से संबंधित
* पीली क्रांति → सरसो उत्पादन से संबंधित
* सिल्वर / रजत क्रांति → अण्डा उत्पादन से संबंधित
* बादामी क्रांति → मसाला उत्पादन से संबंधित
* भूरी क्रांति → खाद्यान्न प्रसंस्करण से संबंधित
* लाल क्रांति → टमाटर व मांस उत्पादन से संबंधित
* धूसर / ग्रे क्रांति → उर्वरक उत्पादन से संबंधित
* सैफ्रॉन क्रांति → केसर उत्पादन से संबंधित

* सनराइज क्रांति → इलेक्ट्रॉनिक उद्योग
* अमृत क्रांति → नदी जोड़ो परियोजना से संबंधित
* इन्द्रधनुष क्रांति → इन सभी क्रांतियों पर निगरानी रखने के लिए
*

* कृषि से संबंधित संस्थान *

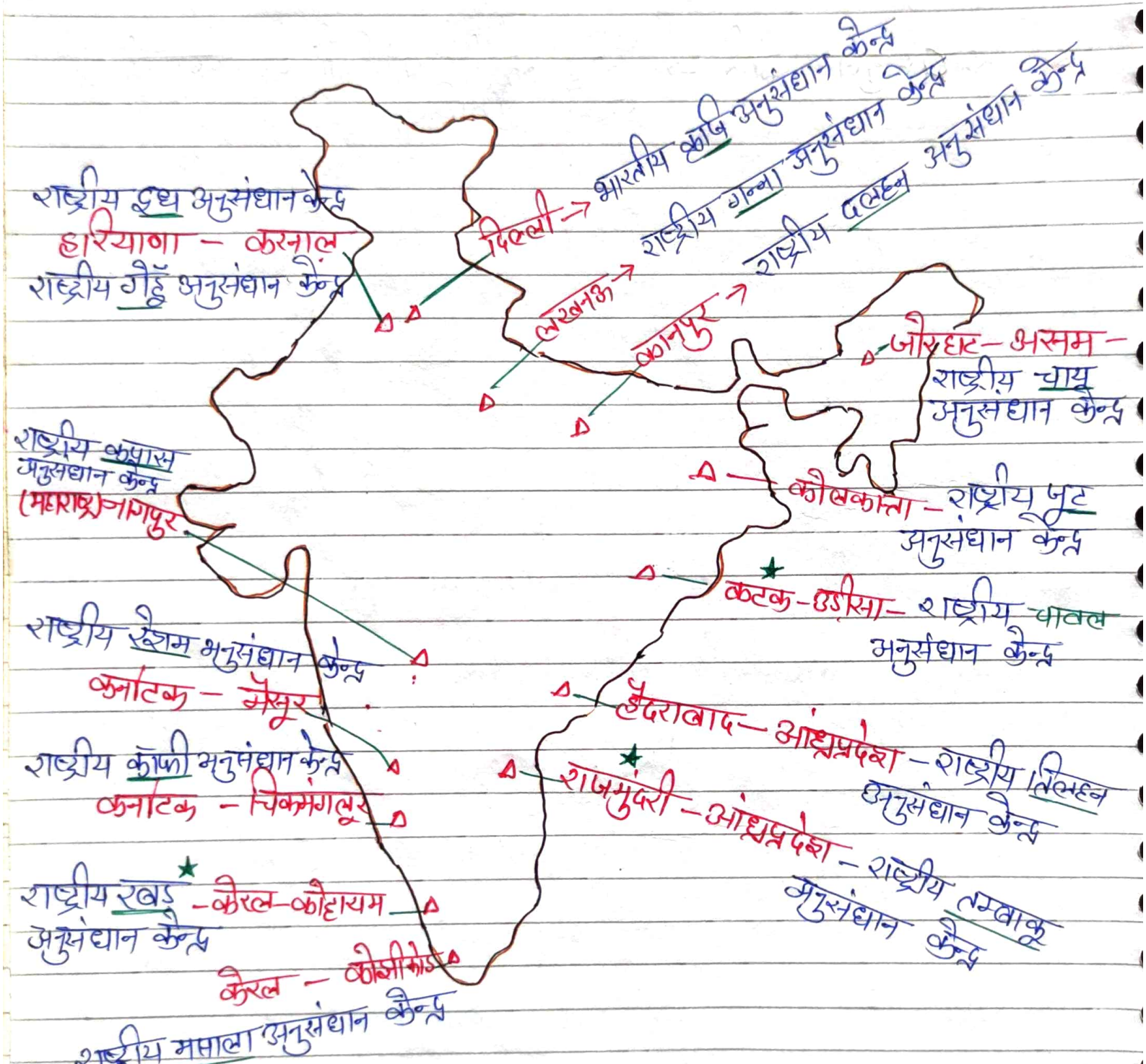

* फसल प्रारूप के आधार पर कृषि को 4 भागों में बांटा जाता है। →

1. मोनो कल्चर → एक वर्ष में एक फसल उगाना।
2. ड्यो कल्चर → एक वर्ष में दो फसलें उगाना।
3. ओलिगो कल्चर → एक वर्ष में तीन फसलें उगाना।
4. रिले क्रोपिंग → एक वर्ष में 4 फसलें उगाना।

* पिस्की कल्चर → मछली उत्पादन से संबंधित
* एपी कल्चर → मधुमक्खी / शहद पालन से संबंधी
* सेरी कल्चर → रेशम उत्पादन से संबंधित
* वीटि कल्चर → अंगूरों के उत्पादन से संबंधित
* वर्मी कल्चर → केंचुए पालन से संबंधित